चित्र: मैनचेस्टर, यूनाइटेड किंगडम से यूनूस गफूर द्वारा समा समी अब्देल करीम गोदा के लिए।

कला के आयाम

कला और जंग

शेफाली जैन

क्या तुम जानते हो कि दुनिया भर के इतिहास में जब-जब जंग छिड़ी है और उससे हिंसा फैली है, तब-तब वहाँ के बच्चों ने जंग के प्रति अपने विचार चित्रों, कविताओं, चिट्ठी या फिर डायरी के माध्यम से व्यक्त किए हैं। कई मौकों पर तुमने भी शान्ति और अमन का सन्देश देने वाली रचनाएँ बनाई होंगी। मेरे बचपन की याद है। तब मैं शायद छठवीं कक्षा में पढ़ रही थी। गाँधी जयन्ती के मौके पर हमारे स्कूल ने हम बच्चों को एक चित्र प्रतियोगिता में भेजा था। प्रतियोगिता का विषय था – अमन और शान्ति। बाद में इनमें से कुछ चुनिन्दा चित्रों को कार्ड पर प्रिंट करके लोगों के बीच शान्ति का सन्देश बाँटा गया था।

शान्ति के विषय पर हम बच्चे अक्सर कबूतर का चित्र बनाते थे क्योंकि इसे काफी देशों में शान्ति का प्रतीक माना गया है। ये कितनी प्यारी बात है ना कि एक पक्षी, जो अपने पंखों के सहारे खुले आसमान में उड़ान भर सकता है और सरहदें पार कर सकता है, को शान्ति और अमन का प्रतीक

बनाया जाए? पर केवल कबूतर ही क्यों? क्या अन्य पक्षी भी शान्ति और अमन का प्रतीक बन सकते हैं? चलो, आज मैं तुम्हें एक ऐसे आर्ट प्रोजेक्ट के बारे में बताती हूँ जिसमें दुनिया भर के बच्चों ने अलग-अलग तरह के पक्षियों के चित्र बनाकर अमन का सन्देश फैलाया है। ये आर्ट प्रोजेक्ट मिडिल ईस्ट में हो रही जंग के बारे में है।

आजकल टीवी पर गाज़ा में रोज़ हो रही बमबारी के बारे में तुम ज़रूर सुन रहे होगे। इज़राइल और हमास के बीच की इस जंग में 29,000 से ज़्यादा फिलीस्तानी और 1,400 से ज़्यादा इज़राइलियों की जानें गई हैं। गाज़ा में मारे जाने वाले लोगों में बड़ी संख्या बच्चों की है। फरवरी के अन्त तक गाज़ा में 12,500 से ज़्यादा बच्चे बमबारी से मारे गए हैं। अन्तर्राष्ट्रीय कानून के तहत आम लोगों की खासकर बच्चों की इस जंग में हत्या को घोर अपराध करार किया गया है। फिर ये चाहे किसी भी पक्ष से हुआ हो।

इस जंग के बारे में लोगों के मन में कई सवाल उठे हैं। इनमें से एक है कि क्या तुम और मैं इस जंग को, किसी भी जंग को, रोक सकते हैं? हमारी बात हम कैसे रखें, किसे सुनाएँ? क्या कला इसमें हमारा साथ दे सकती है? ऐसे कुछ सवालों को मन में रखते हुए ही शायद कुछ लोगों ने एक सामुदायिक कला प्रोजेक्ट (कम्युनिटी आर्ट प्रोजेक्ट) शुरू किया। यह प्रोजेक्ट खास तौर पर बच्चों के लिए है। इस प्रोजेक्ट का नाम है – 'बड़्र्स ऑफ़ गाज़ा' मतलब 'गाज़ा के पक्षी'। सामुदायिक कला, कला का एक ऐसा रूप है जिसमें आम लोग, अक्सर वंचित/उत्पीड़ित समुदाय के लोग, एकजुट होकर कला के माध्यम से सामाजिक मसलों पर अपनी आवाज़ उठाते हैं।

चित्र: वेल्स, यूनाइटेड किंगडम से टेरन ओ कॉनोर द्वारा खालिद मोहम्मद जामिल अल-जर्नी के लिए।

बड़्र्स ऑफ़ गाज़ा प्रोजेक्ट इज़राइल और हमास के बीच की इस जंग में मारे गए बच्चों के नाम इकट्ठे कर रहा है। और इन नामों की सूची एक वेबसाइट पर डालता जा रहा है। एक पक्षी का चित्र बनाकर कोई भी बच्चा उस चित्र को सूची में दिए किसी भी बच्चे के नाम कर अमन का सन्देश भेज सकता है। इस तरह दुनिया भर में कोई भी बच्चा इस जंग में मरने वाले बच्चे के प्रति अपना दुख और जंग के प्रति अपना गुस्सा, इन्कार, प्रतिरोध भी व्यक्त कर सकता है।

बच्चों द्वारा बनाए पक्षियों के इन चित्रों को तुम इस वेबसाइट पर देख सकते हो - https://www.birdsofgaza.com/ वेबसाइट से लिए गए कुछ चित्र तुम इन पन्नों पर भी देख सकते हो।

चित्र: भारत से याहवी द्वारा मारिया अहमद सालाह कुर्दीह के लिए।

चित्र: सिंगापुर से आइदा जे द्वारा जनाह मुहम्मद अब्देल हाफ़िज़ अबु दाहेर के लिए।

चित्र: ऑक्सफोर्ड, यूनाइटेड किंगडम से नुसायबाह द्वारा रज़ान हाज़िम खलील जकौत के लिए।

चित्र: ईस्ट लन्दन साउथ अफ्रीका से फिनले द्वारा आमेर फौद उमर अल ज़ीन के लिए।

चित्र: भारत से आर्यु द्वारा मारवा हम्ज़ा नसीर अल-अस्तल के लिए।

चित्र: पाकिस्तान से उमर बिन आफान द्वारा युसूफ मुहम्मद आतिफ अल-कुर्द के लिए।

चित्र: विक्लो, आयरलैंड से ऑक्टविया द्वारा अनस मुहम्मद ज़बेर अबु जर्का के लिए।

इतिहास में और आज भी कई ऐसे कलाकार हैं जिन्हें जंग में लड़ना पड़ा। जंग खतम होने पर या फिर जंग के दौरान भी इन कलाकारों ने जंग के अनुभवों, उससे हुए मानसिक और शारीरिक आघातों और उसके प्रति अपने विचारों को चित्रों में उतारा। इन कलाकारों में से कुछ हैं – कैथे कोलविट्ज़, जॉर्ज ग्रॉस और स्टैनले स्पेंसर। दुर्भाग्य से कला का इस्तेमाल जंग को सराहने और उकसाने के लिए भी हुआ है। अलग-अलग देशों की सरकारों ने कलाकारों को, कला के माध्यम से, जंग दर्ज करने का भी ज़िम्मा सौंपा (जैसे ब्रिटेन के कलाकार पॉल नैश को दोनों विश्वयुद्धों के दौरान)। कला थेरेपी से लोगों को जंग से उबरने में भी मदद मिली है।

आज मैं तुम्हें दो सवालों के साथ छोड़ना चाहती हूँ। तुम कला के माध्यम से जंग पर क्या विचार रखना चाहोगे? अगर तुम ‘बड्र्स ऑफ़ गाज़ा’ वेबसाइट पर गए तो तुम्हारा अनुभव क्या रहा?

सभी चित्र: https://www.birdsofgaza.com/ से साभार